

Aus dem Inhalt:

Weihnachten 1984

- | | | |
|------|---|-------------------------|
| 1. | Wunderbares Weben | Agnes Miegel |
| 2. | Aus dem Dorfbuch von Redigkainen | |
| 3. | Jomendorf oder Jommendorf? | H. Monkowski |
| 4a. | Ostpreußische Speisekarte | |
| 4b. | Bei uns wird nicht benötigt | aus dem Ploetz |
| 5a. | Ein Landrat erzählt:
Vom Straßenbau | Walter Pauly |
| 5b. | Von der Maultierzucht | |
| 6. | „Menschen, Pferde, weites Land“ | Hans Graf von Lehndorff |
| 7. | Zufälle | W. Margowski |
| 8. | Erinnerungen | Christel Otto |
| 9. | Dorfstraße in Jonkendorf | W. Frösa |
| 10. | Heimatliche Laute unter südlicher Sonne | M. Kostka |
| 11. | Nachrichten | |
| 12. | Berichte | |
| 12a. | vom Schauterner Treffen | A. Schröter |
| 12b. | vom Jommendorfer Treffen | M. Kostka |
| 13. | Bücherecke | |
| 14. | Liebe Ehemalige | M. Kostka |
| 15. | Liebe Allensteiner | W. Otto |
| 16. | Unsere Spender | T. Kunigk - |